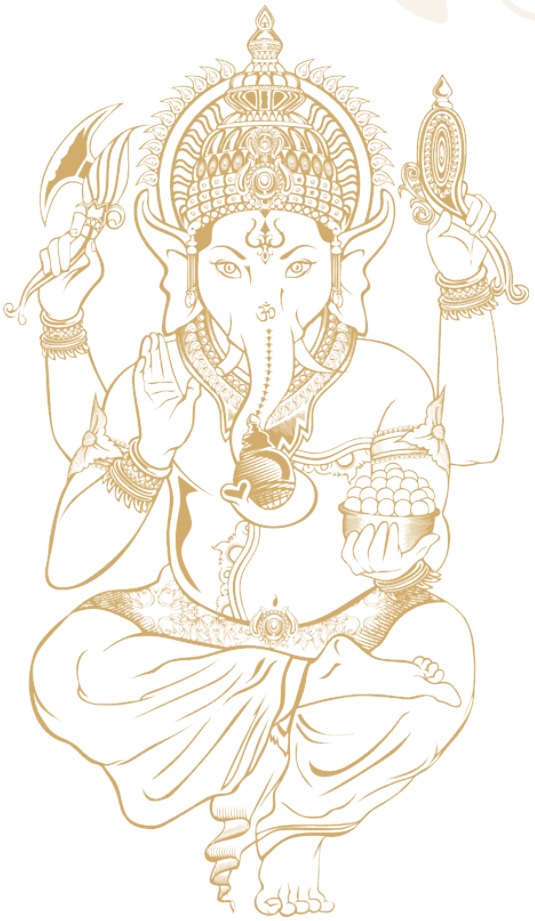

Kajal soam

08 Sep 2006

11:15 PM

Meerut

Model: Web-FreeKundliWeb

Order No: 121890208

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**08/09/2006**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**23:15:00 घंटे**
इष्ट	43:06:35 घटी
स्थान	**Meerut**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:00:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:55:48 घंटे
वेलान्तर	00:02:12 घंटे
साम्पातिक काल	22:06:23 घंटे
सूर्योदय	06:00:21 घंटे
सूर्यास्त	18:33:02 घंटे
दिनमान	12:32:41 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	21:58:59 सिंह
लग्न के अंश	22:15:34 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शूल
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दू-दूती
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	22:15:34	357:09:46	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	---
सूर्य			सिंह	21:58:59	00:58:14	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	स्वराशि
चंद्र			मीन	05:38:56	15:10:20	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
मंगल		अ	कन्या	06:24:38	00:38:43	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
बुध		अ	सिंह	28:46:14	01:47:51	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	मंगल	मित्र राशि
गुरु			तुला	20:37:44	00:09:32	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	09:06:52	01:14:14	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
शनि			कर्क	24:56:22	00:07:09	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
राहु			मीन	01:23:41	00:00:11	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
केतु			कन्या	01:23:41	00:00:11	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	18:39:56	00:02:23	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	---
नेप	व		मक	23:43:38	00:01:23	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	---
प्लूटो			धनु	00:07:49	00:00:07	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
दशम भाव			कुंभ	05:32:05	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:57:03

लग्न-चलित

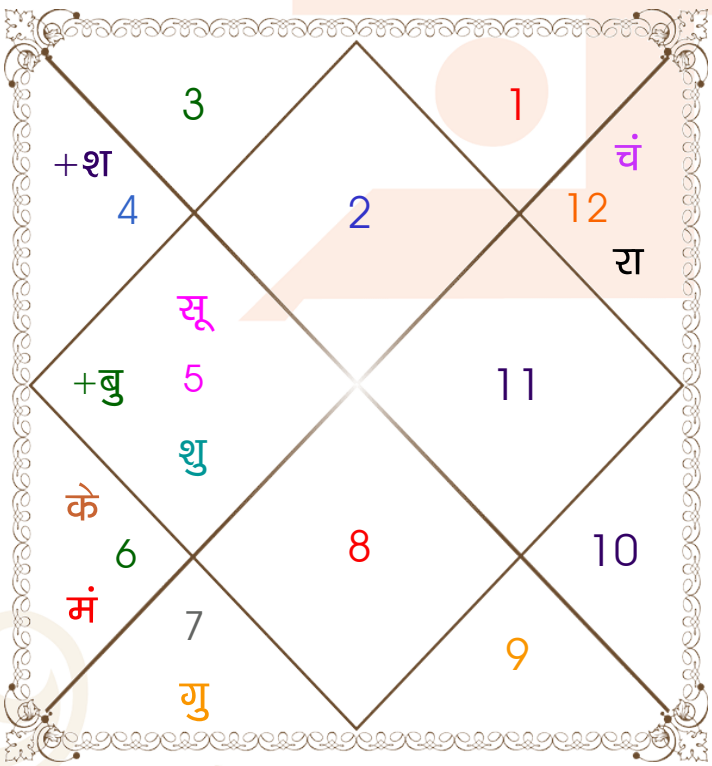

चन्द्र कुंडली

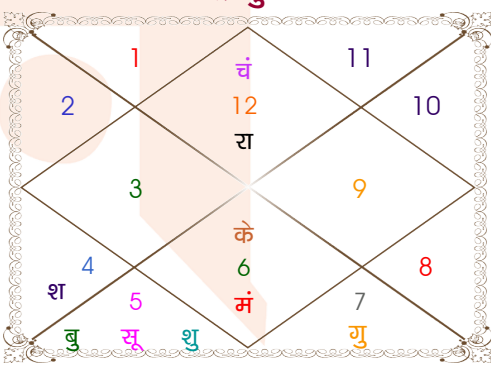

नवमांश कुंडली

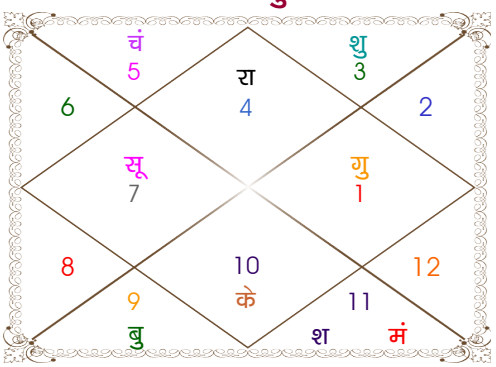

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 15 वर्ष 8 मास 12 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
08/09/2006		22/05/2022		22/05/2039		22/05/2046		22/05/2066	
22/05/2022		22/05/2039		22/05/2046		22/05/2066		22/05/2072	
	08/09/2006	बुध	18/10/2024	केतु	18/10/2039	शुक्र	21/09/2049	सूर्य	09/09/2066
बुध	01/02/2009	केतु	15/10/2025	शुक्र	18/12/2040	सूर्य	21/09/2050	चंद्र	10/03/2067
केतु	13/03/2010	शुक्र	15/08/2028	सूर्य	24/04/2041	चंद्र	22/05/2052	मंगल	16/07/2067
शुक्र	13/05/2013	सूर्य	21/06/2029	चंद्र	23/11/2041	मंगल	22/07/2053	राहु	09/06/2068
सूर्य	25/04/2014	चंद्र	21/11/2030	मंगल	22/04/2042	राहु	21/07/2056	गुरु	28/03/2069
चंद्र	24/11/2015	मंगल	18/11/2031	राहु	10/05/2043	गुरु	22/03/2059	शनि	10/03/2070
मंगल	02/01/2017	राहु	06/06/2034	गुरु	15/04/2044	शनि	22/05/2062	बुध	14/01/2071
राहु	09/11/2019	गुरु	11/09/2036	शनि	25/05/2045	बुध	22/03/2065	केतु	22/05/2071
गुरु	22/05/2022	शनि	22/05/2039	बुध	22/05/2046	केतु	22/05/2066	शुक्र	22/05/2072

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
22/05/2072		22/05/2082		22/05/2089		23/05/2107		23/05/2123	
22/05/2082		22/05/2089		23/05/2107		23/05/2123		00/00/0000	
चंद्र	22/03/2073	मंगल	18/10/2082	राहु	02/02/2092	गुरु	11/07/2109	शनि	26/05/2126
मंगल	21/10/2073	राहु	06/11/2083	गुरु	28/06/2094	शनि	22/01/2112	बुध	09/09/2126
राहु	22/04/2075	गुरु	12/10/2084	शनि	04/05/2097	बुध	29/04/2114		00/00/0000
गुरु	21/08/2076	शनि	20/11/2085	बुध	21/11/2099	केतु	05/04/2115		00/00/0000
शनि	22/03/2078	बुध	18/11/2086	केतु	09/12/2100	शुक्र	04/12/2117		00/00/0000
बुध	22/08/2079	केतु	16/04/2087	शुक्र	10/12/2103	सूर्य	22/09/2118		00/00/0000
केतु	22/03/2080	शुक्र	15/06/2088	सूर्य	03/11/2104	चंद्र	22/01/2120		00/00/0000
शुक्र	20/11/2081	सूर्य	21/10/2088	चंद्र	05/05/2106	मंगल	28/12/2120		00/00/0000
सूर्य	22/05/2082	चंद्र	22/05/2089	मंगल	23/05/2107	राहु	23/05/2123		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 15 वर्ष 8 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृष लग्न के उदित काल, कर्क नवमांश एवं मकर द्रेष्काण में हुआ था। आप आश्चर्यजनक उत्साह, आत्मिक शक्ति से युक्त है। आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति में शिला के समान स्थिर रह कर, सांसारिक सुख एवं भोग विलास युक्त जीवन प्राप्त करेंगी।

आप सदैव उद्देश्य की तलाश में अपने लक्ष्य की ओर निश्चित रूप से बढ़ती रहेंगी। आप अपना महत्वपूर्ण कीर्ति स्तंभ निसंदेह रूप से स्थापित करेंगी, क्योंकि आप अपनी योजना के द्वारा ही अपनी कार्य व्यवस्था को उपयुक्त कर लेंगी। आप कभी भी छलांग नही लगाती। आप समय की प्रतिक्षा करती हैं। समय आने पर पूर्वनिर्धारित योजना के अनुरुप कार्य करती हैं। जब आप अपना लक्ष्य निर्धारित कर कार्यारंभ करती हैं तो निश्चित रूप से सभी विषयों की ओर से विमुख होकर, अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रयत्नशील रहती हैं। आप अपने अपरिवर्तित लक्ष्य के प्रति आश्वस्त होकर सफलता पूर्वक प्राप्त कर लेती हैं। क्योंकि आप दिवा स्वप्न द्रष्टा नही हैं। बल्कि कठिन श्रम करके उत्साहपूर्वक उपलब्धि प्राप्त करती हैं। परिणाम स्वरूप आप यथेष्ठ रूप से भौतिकी लाभ बिना किसी भी प्रकार की हानि अथवा बिना अपव्यय किए ही प्राप्त कर लेंगी। आप अपनी धन लोलुप्ता के प्रभाव से तथा कंजूसी से अपने धन संपत्ति में वृद्धि प्राप्त करेंगी।

आप प्रेम संबंधित क्षेत्र में सांसारिक सुख भोग एव विलासिता संबंधी आनंद प्राप्ति हेतु धन व्यय करेंगी। आप यदि समय-समय पर आलस्य करना त्याग दें तो सहजता पूर्वक आनंदमय जीवन की स्थापना कर सकती हैं। अर्थात अपना जीवन आनंदमय बना सकती हैं।

आप में इस बात का अभाव है कि आप अपनी धन प्राप्ति संबंधित महत्वकांक्षा को पूरा करने में असफल हो जाती हैं।

आप शारीरिक रूप से सामान्य कद की गोल-मटोल, मांसल अंगों से युक्त, देहधारी प्राणी हैं। प्रमुख रूप से आपका मस्तक बड़ा एवं आंखे आकर्षक हैं।

आप अपने व्यवसाय के प्रति अभिरूचि युक्त, निष्ठावान होकर धनोपार्जन हेतु शक्ति संपन्नता से व्यस्त, बिना किसी भी व्यवधान के तथा बिना भ्रमित हुए, निर्विवाद होकर सफलता प्राप्ति हेतु व्यस्त रहेंगी।

परंतु यदि आपका कोई शत्रु गलत तरीके से आपके कार्य में बाधा उत्पन्न करता है, तो आप पीछे उलटकर उस पर सांढ़ की तरह क्रोधित होकर कठिन प्रहार करेंगी।

आप शांतिपूर्वक अपने पारिवारिक स्नेहिल जीवन को आरामदायक एवं प्रिय बनाकर रहेंगी।

आप अपने परिवार को अच्दी प्रकार स्थापित करने के मार्ग पर अग्रसर होकर अपने परिवार एवं अपने दांपत्य जीवन के वातावरण को सुखद बनाने के लिए सभी व्यवस्था

करेंगी।

आपका स्वभाव वृषभ राशीय है। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं शरीर हृष्ट-पुष्ट है। परंतु आप स्वभाव से अति संवेदनशील, तथा किसी भी प्रकार के दर्द के प्रति कठिनाई अनुभव करने वाली हैं। यदि आप शारीरिक रूप से किसी भी प्रकार की असमर्थता अनुभव किया तो किसी तरह अंगहीन हो सकती हैं। संप्रति आपकी क्षमता ऐसी है कि आप सामान्य और सीमित रोगों का सामना कर सकती हैं। परंतु आप में शीघ्रता पूर्वक स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति नहीं है। फलस्वरूप आपको पूर्णरूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में विलंब हो सकता है। आप किसी भी प्रकार से सुरक्षित कार्य संपादन में विश्वास रखने वाली प्राणी हैं तथा ऐसा ही करती हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अनुकूल रंग गुलाबी सफेद एवं हरा रंग उत्तमता का प्रतीक है। आपके लिए लाल रंग अच्छा नहीं है। अतः आप लाल रंग को अपघात सूचक समझें।